भारतीय संस्कृति सर्वश्रेष्ठ - चक्रधारी

छतरपुर। 'प्लेटिनम जुबली' कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए जिलाधिकारी राहुल जैन, विधायक ललिता यादव, उमेश शुक्ला, ब्र.कु.चक्रधारी, ब्र.कु.अवधेश, ब्र.कु.शैलेजा।

छतरपुर। भारत एक अध्यात्म प्रधान देश है। यहां कहीं मंदिर है तो कहीं मस्जिद, तो कहीं गुरुद्वारा, तो कहीं चर्च है तो कहीं सत्संग के स्थल भी हैं। भारत में विभिन्न रूपों में धार्मिकता की झलक देखने को मिलती है, क्योंकि भारत महान संस्कृति का देश है।

उक्त उद्गार महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका एवं रशिया में सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्र.कु.चक्रधारी ने संस्था के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'एक परमात्मा, एक विश्व परिवार' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारा विश्व एक परिवार था, लेकिन आज इसके टुकड़े-टुकड़े हो गए हैं, क्योंकि आज हर व्यक्ति अपने विचारों को श्रेष्ठ मानता है। उन्होंने कहा कि हमें अफसोस तब होता है, जब भारत की महान संस्कृति की जगह पाश्चात्य संस्कृति को अपनाया जाता है। पाश्चात्य संस्कृति में यदि कुछ विशेषताएं हैं तो उन्हें अपनाना बुराई नहीं है, लेकिन अपनी श्रेष्ठ संस्कृति को त्यागना बुराई है। आज मानव के अंदर दैवी गुणों का रहा है क्योंकि आज उसके अंदर अध्यात्म नाम की कोई चीज ही नहीं रही। उन्होंने रूस का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में हर चौराहे पर धार्मिक स्थल मिलते हैं, लेकिन रूस में हर चौराहे पर शराब की दुकानें मिलती है। भोपाल जोन की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु.अवधेश ने कहा कि गीता का उद्देश्य स्वर्णिम दुनिया की स्थापना करना है। हम सब एक ही पिता की संतान हैं और आपस में भाई-बहन हैं। उन्होंने कहा कि एक मत से एकता की स्थापना होती है। जिन्हें भगवान स्वयं याद करें, वह महान आत्माएं हैं। ब्र.कु.प्रकाश ने ब्रह्माकुमारीज् का परिचय देते हुए कहा कि यहां ज्ञान एवं नैतिकता की शिक्षा दी जाती है। इस विश्व विद्यालय का मूल आधार आध्यात्मिक शिक्षा है। सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु.शैलेजा ने स्वागत भाषण दिया तथा कार्यक्रम का कुशल संचालन मुम्बई की ब्र.कु.वंदना ने किया। इस अवसर पर बुंदेलखण्ड विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष उमेश शुक्ला, स्थानीय विधायक ललिता यादव, युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी राहुल जैन, समाज सेविका गायत्री देवी परमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सिरसा। हरियाणा के मुख्यमंत्री भुपेन्द्र सिंह हुड्डा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.बिन्दु तथा अन्य।

अजमेर। 'स्वर्णिम रथयात्रा' का शुभारंभ करते हुए नगर निगम के महापौर कमल बाकोलिमा, डॉ.गोयल मित्तल, ब्र.कु.शांता ।

सुंदर नगर (पटियाला)। पंजाब के मंत्री ब्रह्म महेंद्र को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.पूजा, ब्र.कु.जगदेव ।

यौगिक खेती है सम्पन्नता का आधार

औरंगाबाद। ''जल प्रबंधन तथा यौगिक खेती'' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्र.कु.राजु मंचासीन हैं चं.स.देवकर, बाल साहेब तथा ब्र.कु.जागृति।

औरंगाबाद। जल व भूमि व्यवस्थापन संस्थान (वल्मी) और ब्रह्माकुमारीज् के संयुक्त तत्वाधान में राज्यस्तरीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम ''जल प्रबंधन तथा यौगिक खेती' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु.राजू ने कहा कि उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में रासायनिक खाद का अधिक मात्र में प्रयोग करने से इसका प्रभाव फसल पर पड़ा है। जिसके फलस्वरूप आज हमें प्रतिदिन नई-नई बीमारियों का सामना करना पड़ता है। आज हरित क्रांति और दूध क्रांति के बाद हमने 'जय किसान' का नारा दिया है। आज हम किसानों के अंधविश्वास को दूर कर गांव-गांव तक यौगिक खेती से होने वाले फायदे को पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार की खेती का प्रयोग कोल्हापूर तथा अमरावती जिलों में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राहुरी में रासायनिक खादों के प्रयोग के बिना अच्छी फसल हुई है। यह कितने आश्चर्य की बात है कि जो किसान पूरे देश को अन्न की पूर्ति करता है आज वही दु:खी है। इसलिए आज हम किसानों के लाभ के लिए अनेक कार्यक्रम बना रहे हैं जिससे किसान सुखी एवं सम्पन्न हो सके।

जल व भूमि व्यवस्थापन संस्थान के संचालक ए.आर.कोरे ने किसान भाईयों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से हमें अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। जिससे कि फसलों की गुणवत्ता में सुधार हो सके और हमें उनका उचित मूल्य मिल सके।

ब्र.कु.जागृति ने जल का महत्व बताते हुए कहा कि भारत देश खुशहाल तब होगा जब हम खेती के साथ हम अपने मन और वृत्तियों को भी जोड़ेंगे। भारत एक गरीब और विकासशील देश है। बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आज पानी की उपलब्धता प्रतिदिन कम होती जा रही है। यौगिक खेती करने से कम पानी में ही ज्यादा उपज प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि समाज में परिवर्तन लाने के लिए पैसों की नहीं बल्कि प्रेम भावना और शुभ संकल्पों की आवश्यकता होती है। जब हमारा मन शक्तियों तथा गुणों से भरा होगा तभी हम दूसरों को कुछ दे पायेंगे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न फसलों का 'गेहूँ, ज्वार, कपास, गन्ना, मुंगफली' का जल प्रबंधन, मिट्टी के प्रकार व उनका परीक्षण, विविध सिंचाई की विधियां, खेतों में प्रबंधन, कृषि विस्तार योजना, जल संरक्षण, आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी किसानों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सामाजिक शास्त्र के प्रो. डॉ.भा.प.काले, कृषि विभाग के प्रमुख डॉ.द.ह.पवार, प्रो.बालासाहेब शेटे, सह संचालक चं.शं.देवकर, डॉ.शंकर राव राउत, बालासाहेब रूगे, कांतराव नलगे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

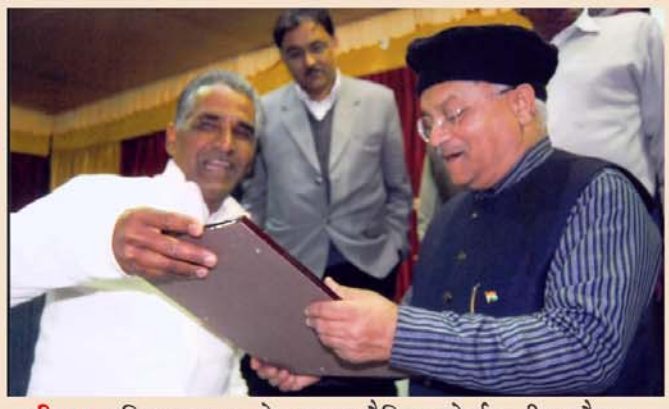

रीवा। प्रसिद्ध पत्रकार वेद प्रताप वैदिक को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.प्रकाश।

शामली। 'समाज सेवा सेमीनार' में रोटरी के जिला गवर्नर नीरज अग्रवाल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.सरला।

झाड़ेश्वर (भरूच)। 'अमृत महोत्सव' कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए जयेश, ब्र.कु.प्रभा तथा अन्य।